ग्रीन बॉन्ड सिद्धांत, 2018

ग्रीन बॉन्ड्स जारी करने हेतु स्वैच्छिक प्रक्रिया दिशानिर्देश

जून 2018

परिचय

ग्रीन बॉन्ड मार्केट का लक्ष्य होता है ऐसे प्रोजेक्टों का वित्त पोषण करने में भूमिका निभा सकने वाले डेब्ट मार्केट्स को सक्षम बनाना और विकसित करना. ग्रीन बॉन्ड के सिद्धांत (जीबीपी) उन दिशानिर्देशों के माध्यम से ग्रीन बॉन्ड मार्केट में सत्यनिष्ठा को बढावा देते हैं जो पारदर्शिता, प्रकटीकरण और रिपोर्टिंग की सिफारिश करती हैं. इनका उपयोग मार्केट के प्रतिभागियों द्वारा किया जाना चाहिए और उन्हें ऐसे प्रोजेक्ट्स के लिए पूँजी का आबंटन बढाने के लिए जरूरी जानकारी प्रदान करने के लिए रचा गया है. धनराशि के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करने के साथ जीबीपी का लक्ष्य है उनके बिजनेस मॉडल को विशिष्ट परियाजनाओं के जरिए बृहत्तर पर्यावरणीय स्थायित्व की ओर ले जाना.

जीबीपी से जुडा इशुएंस पारदर्शी ग्रीन विश्वसनीयताओं के साथ निवेश का मौका प्रदान करना चाहिए. यह सिफारिश करते हुए कि ग्रीन बॉन्ड की धनराशियों के उपयोग पर इशुअर की रिपोर्ट करते हुए, जीबीपी पारदर्शिता में एक कदम का बदलाव करता है जो पर्यावरणीय प्रकल्पों में इन पर निगाह रखता है साथ ही अपने इच्छित प्रभाव की जानकारी को सुधारने का लक्ष्य रखता है.

जीबीपी पर्यावरणीय मामलों और परिणामों को समझने में वर्तमान नजरिए की विविधता और जारी विकास को ध्यान में रखते हुए योग्य ग्रीन प्रोजेक्ट्स को उच्च स्तर की श्रेणियाँ प्रदान करता है, जब कि जरूरत पडने पर अन्य पक्षों के साथ समन्वय करने में मदद करता है जो कि पूरक व्याख्याएँ, मानक और कराधान की जानकारियाँ प्रदान करते हैं ताकि प्रकल्पों का पर्यावरणीय सातत्य निर्धारित हो. जीबीपी सभी बाजार के प्रतिभागियों को इस आधार का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है जिससे कि वे सुसंगत पूरक मानकों के व्यापक संच का संदर्भ लेते हुए अपनी खुद की दमदार पद्धतियाँ विकसित कर सकते हैं.

जीबीपी ग्रीन बॉन्ड प्रिंसिपल्स और सोशल बॉन्ड प्रिंसिपल्स (जिन्हें सिद्धांत कहा गया है) के सदस्यों और पर्यवेक्षकों के योगदानों के आधार पर समन्वयात्मक और सलाहकारी स्वरूप का है. सिद्धांतों का समन्वय कार्यकारी समिति करती है. उन्हें साल भर में एक बार अद्यतनीकृत किया जाता है ताकि वैश्विक ग्रीन बॉन्ड मार्केट के विकास और वृद्धि को प्रदर्शित किया जा सके.

जीबीपी का 2018 का संस्करण

जीबीपी के इस संस्करण को सिद्धांतों के सदस्यों व पर्यवेक्षकों के ऑटम 2017 के सला की प्रतिकि'या से लाभ मिला है, साथ ही सचिवालय के सहयोग के साथ कार्यकारी समिति द्वारा संयोजित कार्य समूह के ज्ञान से वह लाभान्वित हुआ है.

जीबीपी का 2018 का संस्करण चार प्रमुख घटकों (धनराशियों के उपयोग, प्रोजेक्ट के मूल्यांकन व चयन की प्रक्रियाल धनराशियों का प्रबंधन व प्रतिवेदन) तथा साथ ही बाह्य समीक्षा के उपयोग के लिए परामर्श से बना है. यह बाह्य दृष्टिकोण के लिए अतिरिक्त मार्गदर्शन और अद्यतनीकृत व्याख्याएँ प्रतिबिंबित करता है जो अलग से जारी किए गए ''ग्रीन, सोशल एंड सस्टेनेबिलिटी एक्सटर्नल रिव्यूज के लिए दिशानिर्देशों'' में निहित है जिसे बाह्य समीक्षकों के सहयोग से बनाया गया है. यह योग्य प्रोजेक्ट श्रेणियों के संदर्भ में है जो पहले वाले चार प्रमुख चिंता के क्षेत्रों के बजाय पाँच उच्च स्तरीय पर्यावरणीय उद्देश्यों (मौसम परिवर्तन पर नियंत्रण, मौसम परिवर्तन के साथ अनुकूलन, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, जैव विविधता और प्रदूषण की रोकथाम व नियंत्रण) में योगदान देते हैं. इसमें दिया गया है कि कराधान संबंधी सिद्धांत निर्मित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय उपक्रम ग्रीन बॉन्ड जारीकर्ताओं को अधिक मार्गदर्शन कर सकते हैं. मटीरियल विकास का समय पर प्रतिवेदन करना भी संशोधित पाठ में प्रमुखता से दिया गया है.

सोशल बॉन्ड की व्याख्या

ग्रीन बॉन्ड्स किसी भी प्रकार का बॉन्ड इंस्ट्रूमेंट है जहां पर धनराशि का खासतौर से उपयोग पूरी तरह से नए और/या मौजूदा पात्र ग्रीन प्रोजेक्ट (धनराशियों का उपायोग विभाग 1 देखें) के वित्तपोषण या पुन:वित्तपोषण के लिए किया जाएगा और जिन्हें जीबीपी के चार प्रमुख घटकों के साथ समन्वित किया जाता है. बाजार में अलग अलग प्रकार के ग्रीन बॉन्ड्स मौजूद हैं. इनका वर्णन परिशिष्ट I में किया गया है.

यह समझा गया है कि कुछ ग्रीन परियोजनाएं समाज के लिए लाभकारी भी हो सकती हैं और यह कि धनराशियों के बॉन्ड का वर्गीकरण ग्रीन बॉन्ड के रूप में जारीकर्ता द्वारा निर्धारित किया जाना चाहिए जो अंतर्निहित प्रोजेक्ट के प्राथमिक उद्देश्यों पर आधारित होता है. (जो बॉन्ड्स जानबूझकर हरित और सामाजिक प्रकल्पों का मेल करते हैं उन्हें सस्टेनेबिलिटी बॉन्ड्स के रूप में जाना जाता है, और इनके लिए विशिष्ट दिशानिर्देश सस्टेनेबिलिटी बॉन्ड दिशानिर्देशों में अलग से दिए गए हैं).

यह ध्यान देना महत्वपूर्ण है कि ग्रीन बॉन्ड्स को उन बॉन्ड्स के अनुरूप व्यावहारिक नहीं माना जाता जो जीबीपी के चार मुख्य घटकों के साथ मेल नहीं खाते हैं.

ग्रीन बॉन्ड के सिद्धांत

ग्रीन बॉन्ड सिद्धांत (जीबीपी) एक स्वैच्छिक प्रक्रिया वाले दिशानिर्देश हैं जो पारदर्शिता और प्रकटीकरण की सिफारिश करते हैं और ग्रीन बॉन्ड को जारी करने के लिए नजरिए का स्पष्टीकरण करते हुए ग्रीन बॉन्ड मार्केट के विकास में सत्यनिष्ठा को बढावा देते हैं. जीबीपी बाजार द्वारा व्यापक उपयोग के लिए होते हैं: वे जारीकर्ताओं को एक विश्वसनीय ग्रीन बॉन्ड लॉन्च करने में शामिल मुख्य घटकों पर दिशानिर्देश देते हैं; वे निवेशकों को उनके ग्रीन बॉन्ड निवेशों के पर्यावरणीय प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए आवश्यक जानकारी की उपलब्धता को बढावा देकर निवेशकों की मदद करते हैं; और वे व्यवहार को सुगम बनानेवाले प्रकटीकरणों की दिशा में बाजार को ले जाते हुए अंडरराइटर्स की मदद करते हैं.

जीबीपी जारीकर्ताओं के लिए स्पष्ट प्रक्रिया और प्रकटीकरण की सिफारिश करती है जिसका उपयोग निवेशक, बैंक, अंडरराइटर्स, प्लेसमेंट एजेंट्स और अन्य लोग किसी भी दिए गए ग्रीन बॉन्ड के लक्षण को

समझने के लिए कर सकते हैं. जीबीपी आवश्यक पारदर्शिता, सटीकता और जानकारी सत्यनिष्ठा पर बल देता है जो जारीकर्ताओं द्वारा हितधारकों के सामने प्रकट और प्रतिवेदित किए जाते हैं.

जीबीपी में चार मुख्य घटक हैं:

1. धनराशि का उपयोग
2. प्रोजेक्ट मूल्यांकन और चयन की प्रक्रिया
3. धनराशियों का प्रबंधन
4. रिपोर्टिंग

1. धनराशि का उपयोग

ग्रीन बॉन्ड की मूलबात है ग्रीन प्रकल्पों के लिए बॉन्ड की धनराशि का उपयोग करना जिसका सुरक्षा के लिए कानूनी दस्तावेज में उपयुक्त ढंग से वर्णन किया जाना चाहिए. सभी निर्धारित ग्रीन प्रोजेक्ट्स से स्पष्ट पर्यावरणीय फायदे मिलने चाहिए, जिसका आकलन जारीकर्ता द्वारा किया जाएगा और जहां व्यावहारिक हो परिमाण मापा जाएगा.

यदि सभी या धनराशि का एक हिस्सा रिफांनांसिंग के लिए उपयोग में लाया जाता है या लाया जा सकता है तो यह सुझाव दिया जाता है कि जारीकर्ता फायनांसिंग बनाम रिफायनांसिंग के हिस्से का अनुमान प्रदान करे और जहां उचित हो, यह भी स्पष्ट करे कि किन निवेशों या प्रोजेक्ट पोर्टफोलियो को रिफायनांस करने की जरूरत है और किस सीमा तक यह तार्किक है, तथा रिफायनांस किए गए ग्रीन प्रोजेक्ट की अपेक्षित लुक-बैक अवधि.

जीबीपी ग्रीन पोजेक्ट्स के लिए पात्रता की अनेक व्यापक श्रेणियों को स्पष्ट रूप से पहचान देता है, जो पर्यावरणीय उद्देश्यों में योगदान देते हैं जैसे कि: मौसम परिवर्तन पर नियंत्रण, मौसम परिवर्तन के साथ अनुकूलन, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, जैव विविधता और प्रदूषण की रोकथाम व नियंत्रण.

नीचे दी गई प्रकल्प श्रेणियों की सूची वैसे तो सांकेतिक है लेकिन प्रकल्पों के अधिकांश प्रयुक्त सामान्य रूप से प्रयुक्त प्रकारों को शामिल करती है जो ग्रीन बॉन्ड मार्केट, ग्रीन प्रोजेक्ट्स द्वारा समर्थित हैं या जिन्हे समर्थन अपेक्षित है, में अन्य संबंधित और सहायक खर्च जैसे कि आर एंड डी शामिल है तथा ये एक से अधिक श्रेणी और/या पर्यावरणीय उद्देश्य से संबंधित हो सकते हैं. ऊपर चिन्हित किए गए तीन पर्यावरणीय उद्देश्य (प्रदूषण की रोकथाम व नियंत्रण, जैव विविधिता का संरक्षण और मौसम परिवर्तन के साथ अनुकूलन) सूची में प्रकल्प श्रेणियों के रूप में भी भूमिका निभाता है. ये ऐसे प्रकल्पों के संदर्भ में होते हैं जो उन्हें पूर्ण करने के लिए अधिक विशिष्टता से डिजाइन किए जाते हैं.

किसी विशिष्ट क्रम में सूचीबद्ध नहीं किए गए पात्र ग्रीन प्रोजेक्ट श्रेणियों में शामिल हैं लेकिन जो यहीं तक सीमित नहीं हैं:

- **नवीकरणीय ऊर्जा** (जिसमें शामिल है उत्पादन, पारेषण, उपकरण और उत्पाद);

- **ऊर्जा किफायत** (जैसे कि नई और नवीनीकृत इमारतें, ऊर्जा भंडार, डिस्ट्रिक्ट हीटिंग, स्मार्ट ग्रिड्स, उपरकण और उत्पाद);
- **प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण** (जिसमें शामिल है वायु उत्सर्जन घटाना, ग्रीनहाउस गैस नियंत्रण, मिट्टी में सुधार, कचरे की रोकथाम, कचरा घटाना, कचरे की रिसाक्लिगं और ऊर्जा/उत्सर्जन क्षम कचरे की बिजली)
- **जीवित प्राकृतिक संसाधनों का पर्यावरणीय रूप से स्थायी प्रबंधन और भूमि का उपयोग** (जिसमें शामिल है पर्यावरणीय दृष्टि से स्थायी कृषि, पर्यावरणीय दृष्टि से स्थायी पशु पालन; मौसम के अनुसार विवेकपूर्ण लागत जैसे जैविक फसल सुरक्षा या टपक सिंचन; पर्यावरणीय रूप से स्थायी मत्स्यपालन और एक्वाकल्चर; पर्यावरणीय रूप से स्थायी वनीकरण, जिसमें शामिल है वन उगाना या वनों को फिर से जागृत करना और प्राकृतिक क्षेत्रों का संरक्षण या संवर्धन);
- **स्थलीय और जलीय जैवविविधता का संरक्षण:** (जिसमें शामिल है तटीय, सागरी और जलाशयों का वातावरण);
- **स्वच्छ परिवहन** (जैसे कि इलेक्ट्रिक, हायब्रिड, सार्वजनिक, रेल, नॉन मोटराइज्ड, मल्टी मोडल परिवहन, क्लीन एनर्जी वाले वाहनों के लिए ढाँचागत सुविधा और हानिकारक उत्सर्जन को घटाना);
- **स्थायी जल और निकासी के जल का प्रबंधन** (जिसमें शामिल है स्थायी ढाँचागत व्यवस्था साफ और/या पेय जल के लिए, गंदे पानी का उपचार, स्थायी शहरी निकासी प्रणालियाँ और नदी सुधार और बाढ रोकने के अन्य स्वरूप);
- **मौसम परिवर्तन से अनुकूलन** (जिसमें शामिल है सूचना आधार प्रणालि, जैसे कि मौसम का निरीक्षण और जल्द चेतावनी की प्रणालियाँ);
- **पर्यावरण क्षम और/या चक्रीय अर्थव्यवस्था द्वारा अनुकूलित उत्पाद, उत्पादन की टेक्नोलॉजियाँ और प्रक्रियाएँ** (जैसे कि पर्यावरणीय दृष्टि से स्थायी उत्पादों का विकास और प्रस्तुति करना, साथ ही ईको-लेबल या पर्यावरणीय प्रमाणन, संसाधन का समुचित उपयोग करनेवाली पैकेजिंग और वितरण);
- **हरित इमारतें** जो क्षेत्रीय, राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्य मानकों या प्रमाणों को पूरा करती हैं.

जीबीपी का प्रयोजन यह निर्णय करना नहीं है कि कौन सी हरित टेक्नोलॉजियाँ, मानक, दावे और घोषणाएँ पर्यावरण की दृष्टि से स्थायी लाभ के लिए उपयुक्त हैं, यह ध्यान देने योग्य बात है कि ऐसे अनेक मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय उपक्रम हैं जो टैक्सोनॉमीज पेश करते हैं और साथ ही तुलना सुनिश्चित करने के लिए उनके बीच मैपिंग भी देते हैं. यह ग्रीन बॉन्ड जारी करनेवालों को अधिक मार्गदर्शन कर सकता है कि निवेशकों द्वारा किसे हरित और योग्य समझा जा सकता है. ये टैक्सोनॉमीज अभी विकास की विभिन्न अवस्थाओं में हैं. जारीकर्ता और अन्य हितधारक https://www.icmagroup.org/green-social-and-sustainability-bonds/resource-centre/) पर रिसोर्स सेंटर पर दी गई सूचियों के जरिए उदाहरण देख सकते हैं.

इसके अलावा, ऐसे अनेक संस्थान हैं जो विभिन्न हरित समाधानों और पर्यावरणीय पद्धतियों की गुणवत्ता पर स्वतंत्र विश्लेषण, सलाह और मार्गदर्शन देते हैं. सेक्टर और भौगोलिकता के आधार पर हरित और हरित प्रोजेक्टों की व्याख्याएँ भी अलग हो सकती हैं.

2. प्रोजेक्ट मूल्यांकन और चयन की प्रक्रिया

ग्रीन बॉन्ड के जारीकर्ता को साफ तौर पर निवेशकों को यह बताना चाहिए:

- पर्यावरणीय दृष्टि से स्थायी उद्देश्य;
- प्रक्रिया जिसके द्वारा जारीकर्ता निर्धारित करता है कि ऊपर चिन्हित याोग्य ग्रीन प्रोजेक्ट की श्रोणियों में प्रोजेक्ट कैसे बैठता है;
- संबंधित योग्यता मानक, जिसमें शामिल है, यदि लागू हो, अपवर्जन के मानक या कोई अन्य प्रक्रिया जो प्रोजेक्ट के साथ जुडे वस्तुनिष्ठ पर्यावरणीय और सामाजिक जोखिमों को पहचानने और प्रबंधित करने के लिए लागू की जाती है.

जारीकर्ताओं को पर्यावरणीय स्थायित्व से संबंधित अपने उद्देश्यों, रणनीति, नीति और/या प्रक्रियाओं के परिप्रेक्ष्य में इस जानकारी पर अपनी स्थिति लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है. जारीकर्ताओं को प्रोजेक्ट चयन के संदर्भ में किन्हीं हरित मानकों या प्रमाणनों को प्रकट करने के लिए भी प्रेरित किया जाता है.

जीबीपी पारदर्शिता के ऊँचे स्तर को बढावा देता है और परामर्श देता है कि प्रोजेक्ट के मूल्यांकन व चयन के लिए जारीकर्ता की प्रक्रिया को बाह्य समीक्षा का आधार होना चाहिए (देखें बाहरी समीक्षा विभाग).

3. धनराशि का प्रबंधन

ग्रीन बॉन्ड की शुद्ध धनराशि या इन शुद्ध राशियों के बराबर धनराशि, सब अकाउंट में जमा कराया जाना चाहिए, सब-पोर्टफोलियो में डाला जाना चाहिए या अन्यथा जारीकर्ता द्वारा उपयुक्त तरीके से निगरानी में रखना चाहिए और ग्रीन प्रोजेक्ट के लिए जारीकर्ता की कर्ज देने और निवेश प्रचालनों से जुडी औपचारिक आंतरिक प्रक्रिया में जारीकर्ता द्वारा सत्यापित किया जाना चाहिए.

ग्रीन बॉन्ड असाधारण रहा है इसीलिए निगरानी के तहत शुद्ध राशियों का संतुलन उस अवधि के दौरान किए गए योग्य ग्रीन प्रोजेक्टों में आबंटनों से मेल कराने के लिए समायोजित किया जाना चाहिए. जारीकर्ता को निवेशकों को अनाबंटित शुद्ध धनराशियों की शेष राशि के लिए अस्थायी प्रतिस्थापन के इच्छित प्रकार से अवगत कराना चाहिए.

जीबीपी पारदर्शिता के ऊँचे स्तर को बढावा देता है और परामर्श देता है कि जारीकर्ता द्वारा धनराशि के प्रबंधन को ऑडिटर या तीसरे पक्ष के उपयोग का आधार होना चाहिए ताकि अंतर्गत निगरानी पद्धति का सत्यापन किया जा सके और ग्रीन बॉन्ड की धनराशियों से फंड के आबंटन पर निगाह रखी जा सके (देखें बाहरी समीक्षा विभाग).

4. रिपोर्टिंग

जारीकर्ता को धन के उपयोग पर नवीनतम जानकारी उपलब्ध और तैयार रखनी चाहिए जिसे पूर्ण आबंटन तक वार्षिक रूप से और मटीरियल डेवलपमेंट के मामले में सामयिक आधार पर नवीनीकृत किया जाता है.

वार्षिक रिपोर्ट में प्रोजक्टों की सूची शामिल होनी चाहिए जिसके लिए ग्रीन बॉन्ड की धनराशि आबंटित की गई है, और प्रोजेक्ट तथा आबंटित राशि का संक्षिप्त वर्णन तथा उसका अपेक्षित प्रभाव शामिल होना चाहिए. जहाँ पर गोपनीयता के समझौते, प्रतिस्पर्धात्मक विचारों या अंतर्निहित प्रोजेक्टों की विशाल संख्या विवरणों के परिमाण को सीमित कर देती है जिसे कि उपलब्ध कराया जा सकता है., जीबीपी का परामर्श है कि मूल शब्दावलियों में जानकारी प्रस्तुत की जाती है या फिर समेकित पोर्टफोलियो आधार पर दी जाती है (उदाहरण के लिए किसी प्रोजेक्ट श्रेणी पर आबंटित प्रतिशत).

पारदर्शिता प्रोजेक्टों के अपेक्षित प्रभाव की जानकारी देने में निहित मूल्य है. जीबीपी गुणवत्तापूर्ण कार्यनिष्पादन के संकेतकों के उपयोग का परामर्श देता है और जहाँ पर व्यवहार्य हो, वहां पर मात्रात्मक कार्यनिष्पाद के उपायों (उदा. ऊर्जा की क्षमता, बिजली का निर्माण, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के घटना/ टालाना, साफल पानी की सुविधा पानेवाले लोगों की संख्या, पानी का उपयोग घटना, आवश्यक कारों की संख्या में कमी इ.) और अंतर्निहित पद्धति और/या मात्रात्मक निर्धारण में प्रयुक्त मानी गई बातों का प्रकटीकरण. हासिल किए गए प्रभावों की निगरानी करने के लिए क्षमता रखनेवाले जारीकर्ताओं को अपनी नियमित रिपोर्टिंग में उन्हें शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है.

प्रभाव प्रतिवेदन के लिए समन्वित रूपरेखा का लक्ष्य रखते हुए स्वैच्छिक दिशानिर्देश ऊर्जा किफायत, नवीकरणीय ऊर्जा, पानी और निकासी के जल की परियोजनाओं और कूडा प्रबंधन के प्रकल्पों के लिए विद्यमान हैं (मार्गदर्शन के दस्तावेजों https://www.icmagroup.org/green-social-and-sustainability-bonds/resource-centre/पर रिसोर्स सेंटर में देखें.) दिशानिर्देशों में शामिल है किसी प्रकल्प पर प्रभाव के प्रतिवेदन के प्रारूप का नमूना और पोर्टफोलियो के स्तर पर कि जारीकर्ता अपनी परिस्थितियों के अनुसार अनुकूलन कर सकता है. जीबीपी आगे भी उपक्रमों के लिए प्रोत्साहित करता है, ताकि प्रभाव प्रतिवेदन के लिए अतिरिक्त संदर्भ स्थापित करने में मदद मिले जिसे अन्य लोग अपना सकें और/या अपनी जरूरतों के अनुसार ढाल सकें. अन्य सेक्टर्स के लिए दिशानिर्देश विकासाधीन हैं.

ग्रीन बॉन्ड या ग्रीन बॉन्ड प्रोग्राम के मुख्य लक्षणों को दर्शाने वाले सारांश का उपयोग और जीबीपी के चार प्रमुख घटकों के अनुरूप मुख्य खूबियाँ दर्शाने से बाजार के प्रतिभागियों को जानकारी देने में मदद मिलेगी. इस हेतु, नुमना प्रारूप https://www.icmagroup.org/green-social-and-sustainability-bonds/resource-centre/ पर पाया जा सकता हैं जिसे एक बार पूर्ण करने पर बाजार की जानकारी के लिए उपलब्ध कराया जा सकता है (नीचे रिसोर्स सेंटर पर विभाग देखें)

बाह्य नजरिया

यह परामर्श दिया जाता है कि ग्रीन बॉन्ड या कार्यक्रम जारी करने के संबंध में जारीकर्ता यह सुनिश्चित करने के लिए बाह्य समीक्षा प्रदाताओं की नियुक्ति करता है कि उनके बॉन्ड और बॉन्ड प्रोग्राम उपरोक्त व्याख्या के अनुसार जीबीपी के चार मुख्य घटकों के अनुरूप हैं. जारीकर्ताओं के लिए अपने ग्रीन बॉन्ड प्रक्रिया के लिए जानकारी पाने के लिए अनेक प्रकार के तरीके हैं और यहाँ पर समीक्षा के अनेक स्तर हैं और प्रकार हैं जो बाजार को प्रदान किए जा सकते हैं:

जारीकर्ता पर्यावरणीय सस्टेनेबिलिटी या अन्य ग्रीन बॉन्ड जारी करने के पहलुओं में प्रमाणित कुशलता रखनेवाले सलाहकारों और/या संस्थानों से सलाह ले सकता है. इसमें जारीकर्ता का ग्रीन बॉन्ड रुपरेखा या ग्रीन बॉन्ड जारीकर्ता का प्रतिवेदन जैसे क्षेत्र शामिल हो सकते हैं. सलाहकार या एड्वाइजरी सेवाओं में जारीकर्ता का सहयोग होता है और यह स्वतंत्र बाह्य समीक्षा से भिन्न होता है. जीबीपी ग्रीन बॉन्ड या ग्रीन बॉन्ड प्रोग्राम, जहां लागू हो, के साथ जुडी आस्तियों या गतिविधियों के प्रकारों की पर्यावरणीय खूबियों की स्वतंत्र समीक्षा को प्रोत्साहन देता है.

स्वतंत्र बाह्य समीक्षाएँ व्याप्ति में भिन्न हो सकती हैं और ये ग्रीन बॉन्ड रूपरेखा/ कार्यक्रम, एक वैयक्तिक ग्रीन बॉन्ड इशू, अंतर्निहित आस्तियों और/या प्रक्रियाओं का प्रयोजन पूरा कर सकती हैं. इनका विभाजन मोटे तौर पर निम्नलिखित प्रकारों में किया गया है, जिसमें कुछ प्रदाता एक से अधिक प्रकार की सेवा अलग से या संयुक्त रूप से प्रदान करते हैं.

1. **सेकंड पार्टी ओपिनियन (दूसरे पक्ष की राय):** जारीकर्ता से स्वतंत्र पर्यावरणीय कुशलता रखनेवाला एक संस्थान दूसरे पक्ष की राय जारी कर सकता है. संस्थान को ग्रीन बॉन्ड फ्रेमवर्क, या उपयुक्त प्रक्रियाओं जैसे जानकारी के अवरोधों के लिए जारीकर्ता के सलाहकार से भिन्न होना चाहिए, जिसे संस्थान के अंदर यह सुनिश्चित करने के लिए क्रियान्वित किया जाएगा कि दुसरे पक्ष की राय स्वतंत्र हो. इसमें सामान्य रूप से ग्रीन बॉन्ड सिद्धांतों के साथ तालमेल का आकलन शामिल है. विशेष रूप से, इसमें जारीकर्ता के पर्यावरणीय सस्टेनेबिलिटी से जुडे उद्दश्यों , रणनीति, नीति और/या प्रक्रियाओं का आकलन शामिल है, और साथ ही धनराशि के उपयोग के लिए अपेक्षित प्रोजेक्ट के प्रकार की पर्यावरणीय खूबियों का मूल्यांकन शामिल है.
2. **सत्यापन:** जारीकर्ता व्यवसाय की प्रक्रियाओं और/या पर्यावरणीय मापदंड से जुडे मानकों के निर्धारित संच के प्रति स्वतंत्र प्रमाणन प्राप्त कर सकता है. सत्यापन अंतर्गत या बाह्य मानकों या जारीकर्ता द्वारा किए गए दावों के साथ तालमेल पर ध्यान देता है. अंतर्निहित आस्तियों की पर्यावरणीय रूप से स्थायी खूबियों का मूल्यांकन भी सत्यापन कहा जा सकता है और यह बाह्य मापदंडों के संदर्भ में हो सकता है. धनराशियों के उपयोग, ग्रीन बॉन्ड की धनराशियों से निधि का आबंटन, पर्यावरणीय प्रभाव का कथन या जीबीपी के साथ प्रतिवेदन के साथ तालमेल रखने के लिए जारीकर्ता की आंतरिक निगरानी पद्धति के बारे में आश्वासन या सत्यापन को प्रमाणन भी कहा जा सकता है.
3. **प्रमाणन:** जारीकर्ता किसी मान्य बाह्य ग्रीन मानक या लेबल के प्रति ग्रीन बॉन्ड या संबंधित ग्रीन बॉन्ड रूपरेखा या धनराशि के उपयोग को संपन्न कर सकता है. मानक या लेबल विशिष्ट मानक की व्याख्या करता है और ऐसे मानक के साथ तालमेल को योग्यताप्राप्त, स्वीकृत तृतीय पक्ष द्वारा परखा जाता है, जो प्रमाणन के मानक के साथ सातत्य का सत्यापन कर सकता है.
4. **ग्रीन बॉन्ड स्कोरिंग/रेटिंग:** कोई जारीकर्ता स्थापित स्कोरिंग/रेटिंग पद्धति के अनुसार विशेष अनुसंधान प्रदाताओं या रेटिंग एजेंसियों जैसे पात्र तीसरे पक्ष द्वारा अपने ग्रीन बॉन्ड, असोसिएटेड ग्रीन बॉन्ड रूपरेखा या मुख्य खूबी जैसे धनराशि के उपयोग का मूल्यांकन या आकलन करवा सकता है. इस परिणाम में शामिल हो सकते हैं पर्यावरणीय प्रदर्शन डाटा, जीबीपी से संबंधित प्रक्रिया, या अन्य बेंचमार्क पर ध्यान देना, जैसे कि 2 डिग्री जलवायु परिर्वतन परिदृश्य. ऐसी स्कोरिंग/ रेटिंग क्रेडिट रेटिंग से अलग होती है जो शायद वस्तुनिष्ठ पर्यावरणीय जोखिमों को प्रतिबिंबित शायद न करे.

बाह्य समीक्षा आंशिक हो सकती है जो केवल जारीकर्ता के ग्रीन बॉन्ड या एसोसिएटेड ग्रीन बॉन्ड रूपरेखा को शामिल कर सकती है, या पूर्ण हो सकती है जिसमें सभी चार मुख्य जीबीपी घटकों का समावेश हो सकता है. जीबीपी ध्यान में लेती है कि बाह्य समीक्षा का समय समीक्षा के स्वरूप पर निर्भर हो सकता है और समीक्षाओं का प्रकाशन व्यवसाय गोपनीयता की जरूरतों द्वारा सीमित हो सकता है.

जीबीपी बाह्य समीक्षाओं के लिए सार्वजनिक प्रकटीकरण तथा रिसोर्स सेंटर पर https://www.icmagroup.org/green-social-and-sustainability-bonds/resource-centre/ पर उपलब्ध बाहय समीक्षाओं को संपन्न करने के लिए प्रारूप का उपयोग करने की सलाह देता है. बाह्य समीक्षकों को बाह्य रिव्यू सर्विस मैपिंग टेम्पलेट भरने के लिए बढावा दिया जाता है जो आईसीएमए की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाएगा.

जीबीपी बाह्य समीक्षा प्रदाताओं को अपनी विश्वसनीयता तथा संबंधित कौशल को प्रकट करने के लिए प्रोत्साहित करता है और संचालित की गई समीक्षा की व्याप्ति को स्पष्ट रूप से सूचित करता है. श्रेष्ठ पद्धति को प्रोत्साहित करने के लिए जीबीपी द्वारा बाह्य समीक्षाओं के लिए स्वैच्छिक दिशानिर्देश विकसित किए हैं. ये दिशानिर्देश बाजार आधारित उपक्रम हैं जो जारीकर्ताओं, अंडरराइटर्स, अन्य हितधारकों और स्वयं बाह्य समीक्षकों के लिए बाह्य समीक्षा प्रक्रियाओं पर जानकारी और पारदर्शिता प्रदान करता है.

रिसोर्स सेंटर

सुझाए गए प्रारूप और अन्य जीबीपी संसाधन रिसोर्स सेंटर पर https://www.icmagroup.org/green-social-and-sustainability-bonds/resource-centre/. पर उपलब्ध कराए गए हैं. पूर्ण किए गए टेम्पलेट्स को ऊपर दिए गए लिंक पर निर्देशों का पालन करते हुए बाजार की जानकारी के लिए रिसोर्स सेंटर पर उपलब्ध किया जा सकता है.

अस्वीकृति

ग्रीन बॉन्ड सिद्धांत स्वैच्छिक प्रक्रिया के दिशानिर्देश हैं जो न तो सिक्योरिटीज खरीदने या बेचने के लिए कोई प्रस्ताव हैं न ही यह ग्रीन बॉन्ड्स या किसी अन्य सिक्योरिटी के संदर्भ में किसी प्रकार (कर, कानूनी, पर्यावरणीय, अकाउंटिंग या विनियामक) की सलाह है. ग्रीन बॉन्ड प्रिंसिपल्स किसी भी व्यक्ति, सार्वजनिक या निजी रूप से कोई अधिकार या देयता निर्मित नहीं करते. जारीकर्ता स्वैच्छिक रूप से और स्वतंत्र रूप से ग्रीन बॉन्ड सिद्धांत को अपनाता और क्रियान्वित करता है, वह भी ग्रीन बॉन्ड सिद्धांतों पर निर्भर रहे बिना, और वे ग्रीन बॉन्ड जारी करने के निर्णय के लिए केवल जिम्मेदार होते हैं. यदि जारीकर्ता ग्रीन बॉन्ड्स के प्रति अपनी वचनबद्धता का पालन नहीं करता है तो ग्रीन बॉन्ड्स के अंडरराइटर्स जिम्मेदार नहीं हैं. यदि किसी लागू कानून, नियम और विनियम तथा ग्रीन बॉन्ड प्रिंसिपल्स में रखे गए दिशानिर्देशों के बीच कोई मतभेद होता है तो स्थानीय कानून, नियम और विनियम प्रबल होंगे.

परिशिष्ट ।
ग्रीन बॉन्ड्स के प्रकार

ग्रीन बॉन्ड्स वर्तमान में चार प्रकार के हैं (बाजार का विकास होने पर अतिरिक्त प्रकार उभर सकते हैं और इन्हें वार्षिक जीबीपी की जानकारियों में शामिल किया जाएगा):

- **धनराशि के बॉन्ड का मानक ग्रीन उपयोग:** जारीकर्ता के लिए डेब्ट की बाध्यता का मानक उपाय जीबीपी से तालमेल के साथ होता है.

- **ग्रीन रेवेन्यू बॉन्ड:** जारीकर्ता के डेब्ट की बाध्यता का नॉन रिकोर्स जीबीपी के साथ समन्वित जिसमें बॉन्ड में क्रेडिट एक्सपोजर को रेवेन्यू स्ट्रीम्स, फीस, टैक्स इ. के नकद प्रवाह में रखा जाता है, और जिसके धन का उपयोग संबंधित या असंबंधित ग्रीन प्रोजेक्ट के लिए जाता है.

- **ग्रीन प्रोजेक्ट बॉन्ड:** एकल या बहुविध सोशल प्रोजेक्ट के लिए प्रोजेक्ट बॉन्ड जिसके लिए निवेशक का संपर्क जारीकर्ता से संभावित रिकोर्स के साथ या बिना प्रोजेक्ट के जोखिम से होता है, और यह जीबीपी के साथ समन्वित होता है.

- **ग्रीन सिक्योरिटाइज्ड और कवर बॉन्ड:** एक या अधिक विशिष्ट ग्रीन प्रोजेक्ट द्वारा कोलैटरलाइज्ड बॉन्ड जिसमें हैं कवर्ड बॉन्ड्स, एबीएस, एमबीएस, और अन्य संरचनाएँ; और जीबीपी के साथ संयोजित लेकिन जो यही तक सीमित नहीं है. पुनर्भुगतान का पहला स्रोत सामान्य रूप से आस्तियों का नकद प्रवाह है. इस प्रकार का बॉन्ड सोशल हाउसिंग, अस्पतालों, स्कुलों द्वारा समर्थित कवर्ड बॉन्ड्स हैं.

टिप्पणी 1:

यह देखा गया है कि पर्यावरणीय, मौसम या अन्यथा दूसरे थीम्ड बॉन्ड्स का बाजार कुछ मामलों में है जिसे ''प्योर प्ले'3 के रूप में संदर्भित किया गया है, जिसे ऐसे संस्थानों द्वारा जारी किया गया है जो मुख्य रूप से या पूर्णतया पर्यावरणीय दृष्टि से स्थायी गतिविधियों में शामिल हैं, लेकिन वे जीबीपी के चार मुख्य घटकों का पालन नहीं करते. ऐसे मामलों में, निवेशकों को उसके अनुसार जानकारी देने की जरूरत होगी. इन संस्थानों को जहां भी संभव है, ऐसी विद्यमान पर्यावरणीय, मौसम या अन्य थीम्ड बॉन्ड्स के लिए और जीबीपी के साथ भावी मामलों को एकरूप करने के लिए जीबीपी के संबंधित श्रेष्ठ पद्धतियों को अपनाने (उदाहरण के लिए प्रतिवेदन के लिए) के लिए प्रोत्साहित किया जाता है.

टिप्पणी 2:

यह भी समझा गया है कि सस्टेनेबिलिटी थीम्ड बॉन्ड्स का भी एक मार्केट है जो हरित और सामाजिक प्रकल्पों के मेल का वित्त पोषण करता है, जिसमें सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (''एसडीजी'') जो जुडे प्रकल्प भी शामिल हैं. कुछ मामलों में, ऐसे बॉन्ड्स को उन संस्थानों द्वारा जारी किया जाता है जो स्थायी गतिविधियों में प्रमुखता से या पूर्णता लगे हैं, लेकिन उनके बॉन्ड्स जीबीपी के चार मुख्य घटकों से समन्वित नहीं हैं. ऐसे मामलों में, निवेशकों को इसके अनुसार सूचित किए जाने की जरूरत है और सस्टेनेबिलिटी बॉन्ड या एसडीजी रेफरेंस

द्वारा प्रस्तुत जीबीपी (या एसबीपी) की खूबियों का अर्थ नहीं लगाया जाना चाहिए. जहाँ भी संभव हो इन जारीकर्ता संस्थानों को ऐसी मौजूदा सस्टेनेबिलिटी, एसडीजी या अन्य थीम्ड बॉन्ड्स के लिए जीबीपी और एसबीपी (उदा. रिपोर्टिंग के लिए) की संबंधित श्रेष्ठ पद्धति को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, और जीबीपी और एसबीपी के साथ भावी मामलों को समेकित करने के लिए बढावा दिया जाता है.

सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (एसडीजी) के लिए जीबीपी और एसबीपी की मैपिंग उपलब्ध है और इसका लक्ष्य है संदर्भ की व्यापक रूपरेखा प्रदान करना जिसके द्वारा जारीकर्ता, निवेशक और बॉन्ड मार्केट के प्रतिभागी किसी दिए गए हरित, सामाजिक या सस्टेनेबिलिटी बॉन्ड/बॉन्ड प्रोग्राम के फायनांसिंग के उद्देश्यों का मूल्यांकन करते हैं. इसे आईसीएमए वेबसाइट (https://www.icmagroup.org/green-social-and-sustainability-bonds/). पर देखा जा सकता है.